श्री रविन्द्र सिंह ढिल्लों नई दिल्ली में पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में प्रभार ग्रहण करने के बाद

प्रेस विज्ञप्ति

01 जून, 2020

श्री रविन्द्र सिंह ढिल्लों ने पीएफसी के सीएमडी के रूप में पदभार संभाला

नई दिल्ली, 1 जून 2020 : सरकार के स्वामित्व वाले पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (पीएफसी), जो भारत की प्रमुख एनबीएफसी है, ने आज अपने अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में श्री रविन्द्र सिंह ढिल्लों की नियुक्ति की घोषणा की।

श्री ढिल्लों को करीब 36 वर्ष का समृद्ध और विविध अनुभव प्राप्त है जो विद्युत क्षेत्र की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में फैला हुआ है अर्थात उन्हें विद्युत क्षेत्र में कार्य करने का वृहद अनुभव प्राप्त है। इसमें से 27 वर्ष पीएफसी में विद्युत क्षेत्र के वित्तपोषण यानी उत्पादन, पारेषण और वितरण का अनुभव; केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण में 6 वर्ष विद्युत प्रणालियों के वृहद स्तर की आयोजना का अनुभव और भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड में 3 वर्ष का विद्युत उत्पादन उपकरण डिजाइन करने का अनुभव शामिल है।

श्री ढिल्लों की कुछ प्रमुख उपलब्धियों में **नेपाल और बांग्लादेश से संबंधित लगभग 9,000 करोड़ रुपए मूल्य की विद्युत परियोजनाओं के सीमा पार निधियन** से **भौगोलिक विविधीकरण की** दिशा में उनके प्रयास, पुनर्वित्तपोषण और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से व्यवसाय के लिए महत्वपूर्ण प्रयास, जिसके परिणामस्वरूप त्वरित ऋण वृद्धि संभव हो सकी, 4000 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की 4 बड़ी परियोजनाओं में मौजूदा तनाव का समाधान आदि शामिल हैं।

<u>कार्मिकों को संबोधित करते हुए, श्री ढिल्लों ने निम्नलिखित पर प्रकाश डाला : -</u>

हम सभी आम तौर पर विभिन्न अवसरों के लिए कॉन्फ्रेंस हॉल में मिलते हैं, लेकिन कोविड -19 के कारण **हम वस्तुतः आभासी रूप से मिल रहे हैं और यह प्रक्रिया कम से कम कुछ और समय तक जारी रहेगी। हमें वर्चुअल बैठकों और घर से कार्य (वर्क-फ्रॉम-होम) संस्कृति की इस नई व्यवस्था के उपयोग की आदत डालनी चाहिए।**

मैं अपने विचार साझा करने, पीएफसी के प्रत्येक और हर एक सदस्य से समर्थन और मार्गदर्शन लेने के लिए और इस कंपनी को और भी अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए आज आप सभी के समक्ष उपस्थित हुआ हूं।

मुझे लगता है कि हम सभी के सामने कोरोना वायरस की महामारी एक तत्काल चुनौती है। मुझे यह अवश्य कहना चाहिए कि टीम पीएफसी के रूप में इस महामारी को लेकर हमारी प्रतिक्रिया अब तक उत्कृष्ट रही है। हम सभी एक साथ खड़े हुए हैं और हमने वित्तीय वर्ष के आखिरी 3 दिनों में लॉकडाउन के बावजूद 11,000 करोड़ रुपए के वितरण को संभव बनाने के लिए सभी बाधाओं के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। हमने ऐसे परीक्षा के समयों के दौरान भी विद्युत क्षेत्र की सहायता के लिए एक अधिस्थगन (मोरेटोरियम) नीति और तरलता पैकेज भी लाया है।

विद्युत क्षेत्र की तरलता सहायता के मोर्चे पर, 60 दिनों के भीतर 90,000 करोड़ रुपए के तरलता (लिक्विडिटी) पैकेज की पहली किश्त के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान करने की परिकल्पना की गई है। इसके लिए, श्री ढिल्लों ने कर्मचारियों से अनुरोध किया कि वे उपर्युक्त निर्धारित समयसीमा के भीतर राज्यों को वित्तीय सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए राज्यों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत करें। पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मणिपुर और कर्नाटक जैसे कुछ राज्यों ने इस पैकेज का लाभ उठाने के लिए पहले से ही दिलचस्पी दिखाई है।

जबकि हमें कुछ समय के लिए कोरोना के साथ रहना है, मेरा मानना है कि सभी की सुरक्षा सबसे पहले आती है। मैं आप सभी को विश्वास दिलाता हूं कि हम सभी और हमारे परिवार के सदस्यों को सुरक्षित रखने के लिए पीएफसी में सर्वोत्तम और हरसंभव उपायों को अपनाएंगे। मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि आव लोग सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करें और सहयोग करें।

हमारे सामाजिक जीवन को प्रभावित करने के अलावा, इस महामारी के प्रकोप ने और इसके परिणामस्वरूप किए गए राष्ट्रव्यापी बंद ने एक अभूतपूर्व आर्थिक व्यवधान भी पैदा किया है। हम इस बात को लेकर आश्वस्त नहीं हैं कि यह स्थिति कितनी लंबी होगी अर्थात यह पता नहीं है कि यह दौर कब तक जारी रहेगा। अंत: हम सभी एक अज्ञात क्षेत्र में हैं, जहां हमें ऐसी महत्वपूर्ण और अद्वितीय व्यावसायिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की थी। इन सभी चुनौतियों के साथ, पीएफसी स्पष्ट रूप से संकट के दौर (क्रॉस रोड्स) से गुज़र रहा है। इस संदर्भ में, उन्होंने विद्युत क्षेत्र और विशेष रूप से पीएफसी के समक्ष मौजूदा विभिन्न चुनौतियों को रेखांकित किया।

हालांकि, हमें अपने व्यापार के विकास और लाभप्रदता को जारी रखना होगा और विद्युत क्षेत्र के समग्र सुधार और विकास को भी सक्षम बनाना होगा।

इसके लिए हमें तत्काल **अपनी 54ईसी कैपिटल गेन टैक्स बॉण्ड की हिस्सेदारी बढ़ाने की जरूरत है, हमें आरबीआई से उधार लेने की सुविधा जैसे नए रास्ते खोलना चाहिए और निकट अवधि में रिटेल को आगे बढ़ाना होगा।**

धन उधार देने के व्यापार के मोर्चे पर, हमें अपने व्यवसाय को नए क्षेत्रों, नए सेक्टरों में विविधता लाने और भौगोलिक विविधीकरण के लिए भी प्रयास करने की आवश्यकता है। हमें **चार्जिंग अवसंरचना और इलेक्ट्रिक वाहनों, पर्याप्त भंडारण क्षमता के साथ नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे क्षेत्रों** को **निधियां देने की जरूरत है और अच्छे व्यावसायिक घरानों से व्यापार के अवसर प्राप्त करने का भी पूरा प्रयास करना चाहिए**।

इन अवसरों का लाभ प्राप्त करने के लिए आगे बढ़कर करार्य करने हेतु मेरे लिए पीएफसी परिवार के प्रत्येक सदस्य से पूरे दिल से समर्थन अत्यंत महत्वपूर्ण है। हम सभी को अपना सर्वश्रेष्ठ कार्य-निष्पादन करने और परिवर्तन के कारक बनने की आवश्यकता है। चाहे कोई पीएस हो, कोई अधिकारी, कोई प्रबंधक, कोई जीएम, निदेशक या सीएमडी क्यों न हो, हम सभी एक

समान हैं और कंपनी के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ कार्य-निष्पादन करने के लिए एक समान लक्ष्य की दिशा में काम करते हैं। इसलिए मेरा मानना है कि जब तक पीएफसी परिवार का प्रत्येक सदस्य अपने - अपने तरीके से सकारात्मक अपना योगदान नहीं देता है, तब तक हम ऐसे कठिन समय को पार नहीं कर पाएंगे। एक साथ काम करके - और केवल एक साथ आगे आकर ही हम सफल होते हैं।

जैसा कि आज हम सभी जानते हैं, पीएफसी दुनिया भर में सर्वश्रेष्ठ नियोक्ताओं की फोर्ब्स सूची में 242वें स्थान पर है और हम लगभग 100 बिलियन डॉलर के समेकित परिसंपत्ति आधार के साथ देश के सबसे बड़े पीएसयू भी हैं। पीएफसी ने इस सफलता का श्रेय 480 कार्मिकों के अपने छोटे से परिवार को दिया है, जिनके पास उद्योग जगत की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा है।

आइए हम सब एक बड़े परिवार के रूप में एकजुट हों और इस कंपनी को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाएं। हम सभी को यह याद दिलाना है कि पीएफसी हमेशा से ही सभी कठिन परिस्थितियों से बाहर निकलने का रास्ता खोज लेता रहा है और हर बार विजयी हुआ है।

वर्तमान संक्रमण काल में, वायरस को फैलने न दें, लेकिन हमारी टीम भावना, कड़ी मेहनत, समर्पण और उत्कृष्टता के लिए हमारे प्रयास को पीएफसी में वायरल हो जाने दें। हमने अतीत में भी ऐसा किया है, हम आज भी कर रहे हैं और हम, अर्थात हमारी टीम इसे फिर से करेगी।

हस्ताक्षरित/-

(एस. एस. राव)
वरिष्ठ महाप्रबंधक (पीआर)